डेज़र्ट नेशनल पार्क में रैप्टर पारिस्थितिकी पर अध्ययन

चर्चा में क्यों?

डेज़र्ट नेशनल पार्क और इसके आसपास के क्षेत्रों में **रैप्टर पारिस्थितिकी** पर केंद्रित एक अध्ययन पहल शुरू की गई है।

मुख्य बिंदु

- **अध्ययन के बारे में:**
  - इस अध्ययन का उद्देश्य क्षेत्र में **प्रजनन करने वाले शिकारी पक्षियों** की स्थिति तथा स्थानीय **पारिस्थितिकी** का आकलन करना है।
  - भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) द्वारा प्रारंभ की गई यह परियोजना **21 जुलाई 2025** को शुरू हुई और **जुलाई 2027** तक जारी रहेगी।
  - अध्ययन में **शिकारी पक्षियों की गतिविधि** और **प्रजनन पैटर्न** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, साथ ही उनकी स्थानिक पारिस्थितिकी तथा संरक्षण आवश्यकताओं को समझने पर भी ज़ोर दिया जाएगा।
- **कार्यप्रणाली:**
  - परियोजना के एक भाग के रूप में, दो गिद्धों, एक टॉनी ईगल और एक किशोर मिस्री गिद्ध को पहले ही**GPS ट्रांसमीटर** तथा **बैकपैक हार्नेस** से सुसज्जित कर छोड़ा गया है।
  - अध्ययन में लाल सिर वाले गिद्ध, सफेद पूँछ वाले गिद्ध, भारतीय गिद्ध, मिस्री गिद्ध, भूरे चील और लैगर फाल्कन की छह-छह प्रजातियों के **जैविक नमूनों** का संग्रह भी शामिल है।
- **कानूनी ढाँचा:**
  - इस अध्ययन को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 12(A) के तहत अनुमोदित किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि यह अध्ययन कानूनी और नैतिक मानकों के अनुरूप है।
  - **धारा 12(A)** के अनुसार, मुख्य वन्यजीव वार्डन, आवेदन पर और लिखित आदेश के माध्यम से, व्यक्तियों या संस्थाओं को**वन्यजीवों पर वैज्ञानिक अनुसंधान** करने हेतु परमिट देने के लिए अधिकृत होते हैं।
- **महत्त्व:**
  - **संरक्षण प्रयास**: इस अध्ययन से प्राप्त **महत्त्वपूर्ण डाटा** संकटग्रस्त शिकारी प्रजातियों के लिये **संरक्षण रणनीतियाँ** विकसित करने में सहायक होगा।
  - **शिकारी पक्षियों का संरक्षण**: इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों से, विशेष रूप से**थार रेगिस्तान** में रैप्टर प्रजातियों और उनके**आवास की सुरक्षा** के उपायों के विकास में योगदान मिलने की अपेक्षा है।

रैप्टर प्रजातियाँ:

- **परिचय:** रैप्टर वे पक्षी हैं, जो शिकार करते हैं। ये मांसाहारी होते हैं तथा **स्तनधारियों, सरीसृपों, उभयचरों,** कीटों के साथ-साथ अन्य पक्षियों को भी मारकर खाते हैं।
  - सभी रैप्टर/शिकारी पक्षी मुड़ी हुई **चोंच, नुकीले पंजे वाले मज़बूत पैर, तीव्र दृष्टि** के साथ ही मांसाहारी होते हैं।
- **जनसंख्या:** इंडोनेशिया में सबसे अधिक रैप्टर प्रजातियाँ पाई जाती हैं, इसके बाद कोलंबिया, इक्वाडोर और पेरू का स्थान है।
- **उदाहरण:** उल्लू, गिद्ध, बाज, फॉल्कन, चील, काइट्स, ब्यूटियो, एक्सीपिट्रिस, हैरियर और ओस्प्रे।
- **संरक्षण के प्रयास:**
  - **रैप्टर्स MoU (वैश्विक):** इस समझौते को '**रैप्टर समझौता-ज्ञापन (Raptor MOU)**' के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह वन्य प्राणियों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन (CMS) के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
    - यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।
    - **भारत रैप्टर्स MoU का हस्ताक्षरकर्त्ता है।**
  - भारत SAVE (Saving Asia's Vultures from Extinction) संघ का भी हिस्सा है।
  - गिद्धों के संरक्षण के लिये भारत ने गिद्ध कार्ययोजना 2020-25 शुरू की है।
  - पिंजौर (हरियाणा) में **जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र (Jatayu Conservation Breeding Centre)** भारतीय गिद्ध प्रजातियों के प्रजनन और संरक्षण के लिये राज्य के बीर शिकारगाह वन्यजीव अभयारण्य के भीतर विश्व की सबसे बड़ी अनुकूल जगह है।

डेज़र्ट नेशनल पार्क

- **भौगोलिक स्थिति:**
  - यह राजस्थान के **जैसलमेर** और **बाड़मेर** ज़िलों में 3,162 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - यह **थार रेगिस्तान** में स्थित है, जो एक गर्म और शुष्क क्षेत्र है, जहाँ वर्षा बहुत कम होती है (<100 मिमी) तथा जिसमें रेत के टीले, चट्टानी क्षेत्र एवं रेतीले मैदान शामिल हैं।
- **वनस्पति और पादप:**
  - यहाँ की विशेषता विरल वनस्पति है, जिसमें **कंटीली झाड़ियाँ**, घास के मैदान और **टीले** सम्मिलित हैं।
  - **खेजड़ी (Prosopis cineraria)** जैसी उल्लेखनीय वृक्ष प्रजातियाँ तथा विभिन्न बबूल प्रजातियाँ इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को सहारा देती हैं।
- **जीव-जंतु और जैवविविधता:**
  - यह पार्क 60 स्तनपायी, 51 सरीसृप और 100 पक्षी प्रजातियों का घर है।
  - स्थानिक और लुप्तप्राय प्रजातियों में **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड**, **डेज़र्ट फॉक्स** तथा **लौंगवाला टॉड-हेडेड अगामा** शामिल हैं।
  - यहाँ **हूबारा बस्टर्ड** जैसे प्रवासी पक्षी भी पाए जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/study-on-raptor-ecology-in-desert-national-park